

आत्म वि. (तत्.) (आत्मन् शब्द का समासगत रूप) 1. अपना, जैसे- 'आत्मचरित' 2. आत्मा का, आत्मिक आध्यात्मिक जैसे 'आत्मज्ञान'।

आत्मक वि. (तत्.) समास प्रक्रिया में शब्द के अंत में प्रयुक्त, 'भय' अथवा 'युक्त' अर्थ संप्रेषित करने वाला, यथा 'स्वर' से स्वरात्मक आदि।

आत्मकथा स्त्री. (तत्.) आत्मचरित, स्वयं के द्वारा लिखी अपनी जीवनी, अपना ही लिखा हुआ जीवन-वृत्तांत।

आत्मकल्याण पुं. (तत्.) [आत्म+कल्याण] 1. अपना भला, अपना हित 2. स्वार्थ, खुदगर्जी।

आत्मकाम वि. (तत्.) [आत्म+काम] आत्मा या अपने स्वरूप को जानने की अभिलाषा 2. मात्र परमात्मा की भक्ति करने वाला 3. अभिमानी, अहंकारी 4. स्वार्थी, मतलबी।

आत्मकीय वि. (तत्.) जो पूर्णतः अपना हो, जिस पर अपना अधिकार हो।

आत्मकेंद्रित वि. (तत्.) [आत्म+केंद्रित] 1. अपने आप में मस्त रहने वाला 2. स्वयं को महत्वपूर्ण मानने वाला 3. अपने सारे कार्यों का केंद्र आत्मा को मानने वाला।

आत्मगत वि. (तत्.) 1. स्वयं, अपना, स्वकीय 2. मन के अंदर का, अपने भीतर का 3. मानसिक 4. नाट्य. वह संवाद जिसे श्रोता सुन सकते हों पर मंच के अन्य अभिनेता नहीं, स्वगत, मन में कही गई बात।

आत्मगाथात्मक वि. (तत्.) 1. आत्मकथा जैसा 2. अपनी प्रशंसा से युक्त।

आत्मगौरव पुं. (तत्.) 1. आत्मसम्मान, आत्माभिमान 2. आत्मप्रतिष्ठा 3. अपनी बड़ाई, आत्मप्रशंसा।

आत्मग्राही वि. (तत्.) [आत्म+ग्राही] स्वार्थी, लालची, लोभी।

आत्मग्लानि स्त्री. (तत्.) किसी दुष्कृत को करने या (समय पर) किसी सुकृत को न कर पाने पर हृदय में पश्चाताप या हीनता का अनुभव।

आत्मघात पुं. (तत्.) 1. आत्महत्या, खुदकुशी 2. अपनी अपूरणीय हानि 3. किसी विधि विरुद्ध उद्देश्य की पूर्ति के लिए योजनाबद्ध तरीके से अपने प्राण दे देना तु. आत्महत्या

आत्मघातक वि. (तत्.) 1. आत्महत्या करने वाला, आत्मघाती 2. अपने लिए अत्यधिक हानिकर 3. स्वयं की हानि कर लेने वाला।

आत्मघाती वि. (तत्.) 1. स्वयं अपने लिए ही घातक 2. अपने ही लिए घातक काम करने वाला दे. आत्मघातक 3. युद्ध (ऐसा आक्रमण) जिसमें आक्रमण करने वाला यह मानकर प्रवृत्त होता है कि उसे अपना बलिदान देना ही है उदा. श्रीनगर में आतंकवादियों ने एक विद्यालय में आत्मघाती आक्रमण किया, जिसमें उनके दो सदस्य मारे गए।

आत्मघोष पुं. (तत्.) 1. स्वयं अपने ही नाम को पुकारने वाला, बड़बोला 2. मुर्गा 3. कौआ वि. (तत्.) अपनी बड़ाई खुद करने वाला।

आत्मचरित पुं. (तत्.) [आत्म+चरित] आत्मकथा, अपने जीवन की कहानी।

आत्मचिंतक वि. (तत्.) [आत्म+चिंतक] आत्म चिंतन करने वाला।

आत्मचिंतन पुं. (तत्.) 1. स्वयं अपने बारे में गहन विचार चिंतन 2. आत्मतत्त्व का चिंतन।

आत्मचेतना स्त्री. (तत्.) [आत्म+चेतना] अहं का प्रत्यक्ष अनुभव, ध्यानस्थ होकर स्वयं को अनुभव करने की चेतना, अपने आप की दूसरों से पृथक्ता की चेतना।

आत्मज पुं. (तत्.) 1. पुत्र ("आत्मा वै जायते सुतः", अर्थात् अपनी आत्मा ही पुत्र का रूप धारण करती है) वि. (तत्.) स्वयं द्वारा उत्पन्न।

आत्मजय पुं. (तत्.) अपने मन और इंद्रियों को वश में कर लेना, स्वयं पर विजय करना।

आत्मजा स्त्री. (तत्.) पुत्री, बेटी

आत्मजात पुं. (तत्.) [आत्म+जात] आत्मज, पुत्र, बेटा।